

गणित पठन, लेखन और प्रतिरूपण: शब्द समस्याएँ



भारत में विद्यालय आधारित
समर्थन के माध्यम से शिक्षक
शिक्षा

www.TESS-India.edu.in



<http://creativecommons.org/licenses/>



संदेश



शिक्षकों को बाल केंद्रित कक्षा अभ्यास की ओर उन्मुख करने तथा शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्यों को सम्मुख रखते हुए TESS-India राष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत है। इस दिशा में TESS-India द्वारा मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Educational Resources) का विकास किया गया है। ये संसाधन शिक्षकों तथा शिक्षक-प्रशिक्षकों के वृत्ति विकास (Professional development) में लाभकारी एवं उपयोगी सिद्ध होंगे। राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार के नेतृत्व में इन संसाधनों का स्थानीयकृत किया गया है, जिसके अन्तर्गत इनके उद्देश्य के मूल को बरकरार रखते हुए इनमें स्थानीय, भाषा, बोली, प्रथाओं, संस्कृतियों तथा नियमों को सम्मिलित किया गया है। इनका उपयोग शिक्षण कार्य में सहजता एवं सुगमता पूर्वक किया जा सकता है।

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार के मार्गदर्शन में TESS-India द्वारा स्थानीय भाषा में तैयार मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Educational Resources) नेट पर आप सभी के लिए सुलभ उपलब्ध है।

शुभकामनाओं सहित।

(डॉ० मुरली मनोहर सिंह)

निदेशक

एस०सी०ई०आर०टी०, बिहार

समीक्षा एवं दिशाबोध
डॉ. मुरली मनोहर सिंह, निदेशक राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. सेयद अब्दुल मोईन, विभागाध्यक्ष, अध्यापक शिक्षा विभाग, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. कासिम खुशीद, विभागाध्यक्ष, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्
डॉ. इम्तियाज आलम, विभागाध्यक्ष, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. स्नेहाशीष दास राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. अर्चना, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. रीता राय, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
श्री तेज नारायण प्रसाद, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार

स्थानीयकरण
भाषा और शिक्षा
डॉ. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी, प्राचार्य, मैत्रेय कॉलेज ऑफ एडुकेशन एण्ड मैनेजमेंट, हाजीपुर, वैशाली
श्री सुमन सिंह, प्रखंड साधनसेवी, भगवानपुर हाट, सिवान
श्री कात्यायान कुमार त्रिपाठी, प्राथमिक विद्यालय चैलीटाल, पटना
श्री कृत प्रसाद, प्रखंड साधनसेवी, हिलसा, नालंदा
प्राथमिक अंग्रेजी
श्री अरशद रजा, सहायक शिक्षक, प्राथमिक विद्यालय, पचासा रहुई, नालंदा
श्री संतोष सुमन, सहायक शिक्षक, बालिका उच्च विद्यालय, महुआबाग
श्री शशि भूषण पाण्डेय, सहायक शिक्षक, उत्कर्मित मध्य विद्यालय, मुकुन्दपुर, नालंदा
श्रीमती रचना त्रिवेदी, शिक्षिका, नोट्रेडेम अकादमी, पटना
माध्यमिक अंग्रेजी
श्री मणिशंकर, प्रधानाध्यापक, तारामणी भगवानसाव उच्च माध्यमिक विद्यालय, कोइलवर, भोजपुर
डॉ. ब्रजेश कुमार, शिक्षक, पी. एन. एंग्लो संस्कृत माध्यमिक विद्यालय, नया टोला, पटना
प्राथमिक गणित
श्री कृष्ण कान्त ठाकुर
श्री दिलीप कुमार, संकुल संसाधन केन्द्र समन्वयक, बुलनी हैदरपुर, नालंदा
श्री गोविन्द प्रसाद, प्रखंड साधनसेवी, चनपटिया, पश्चिमी चम्पारण
माध्यमिक गणित
डॉ. राकेश कुमार, भागलपुर डायट
श्री रिजवान रिजवी, उत्कर्मित मध्य विद्यालय, सिलौटा चाँद, कैमूर
श्री इन्द्रभूषण कुमार, शिक्षक, सहयोगी माध्यमिक विद्यालय, हाजीपुर, वैशाली
प्राथमिक विज्ञान
श्री मनोज त्रिपाठी, प्रखंड साधनसेवी, बरहारा, भोजपुर
श्री शशिकान्त शर्मा, प्रखंड साधनसेवी, आरा, भोजपुर
श्री रणबीर सिंह, संकुल संसाधन केन्द्र समन्वयक, आदर्श आवासीय मध्य विद्यालय शिक्षक संघ, सहरसा
माध्यमिक विज्ञान
श्री जी.वी.एस.आर प्रसाद
श्री मुकुल कुमार, शिक्षक, सहायक शिक्षक, गोरखनाथ सूर्यदेव माध्यमिक विद्यालय, राजापाकर वैशाली


TESS-India (Teacher Education Through School Based Support) का लक्ष्य है भारत में मुक्त शैक्षिक संसाधनों के द्वारा प्राथमिक और माध्यमिक स्तरों पर शिक्षकों के कक्षा अभ्यासों को बेहतर करना। ये संसाधन शिक्षकों के विद्यार्थी –केन्द्रित, भागीदारी दृष्टिकोण को विकसित करने में सहायता करेंगे।

TESS-India के मुक्त शैक्षिक संसाधन (**Open Education Resources – OERs**) शिक्षकों को स्कूल की पाठ्यपुस्तक के लिए सहायक पुस्तिका प्रदान करते हैं। ये संसाधन शिक्षकों के लिए गतिविधियाँ प्रदान करते हैं जो वे कक्षा में अपने श्वद्यार्थियों के साथ कर सकते हैं। साथ ही इनमें केस स्टडी भी हैं जो ये दर्शाते हैं कि किस प्रकार दूसरे शिक्षकों ने उस विषय को सिखाया है। संबंधित संसाधन शिक्षकों को पाठ योजना बनाने में और विषय पर ज्ञान वर्धन करने में उनकी सहायता करते हैं।

TESS-India के मुक्त शैक्षिक संसाधन भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल हैं। ये भारतीय तथा अंतर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार किये गये हैं और ये ऑनलाइन तथा प्रिंट उपयोग के लिए उपलब्ध है (<http://www.tess-india.edu.in>)। मुक्त शैक्षिक संसाधन अनेकों संस्करणों में उपलब्ध हैं जो प्रत्येक राज्य के लिए उपयुक्त है जहाँ TESS India कार्यरत है। उपयोगकर्ता इन संसाधनों को अनुकूल और स्थानीयकृत करने के लिए स्वतंत्र हैं ताकि ये स्थानीय आवश्यकताओं और संदर्भों को पूरा कर सकें।

TESS-India मुक्त विश्वविद्यालय, ब्रिटेन के नेतृत्व में तथा ब्रिटेन की सरकार द्वारा वित्त-पोषित है।

वीडियो संसाधन

इस इकाई की कुछ गतिविधियों के साथ निम्न प्रतीक का उपयोग किया गया है:  . इससे संकेत मिलता है कि निर्दिष्ट अध्यापन संबंधी थीम के लिए TESS-India वीडियो संसाधनों को देखना आपके लिए उपयोगी होगा।

TESS-India वीडियो संसाधन भारत में अनेक प्रकार की कक्षाओं के संदर्भ में मुख्य अध्यापन तकनीकों का वर्णन करते हैं। हमें आशा है कि वे आपको इसी प्रकार के अभ्यासों के साथ प्रयोग करने के लिए प्रेरित करेंगे। उनका उद्देश्य पाठ (टेक्स्ट) पर आधारित इकाइयों के माध्यम से काम करने के आपके अनुभव का पूरक होना और उसे बढ़ाना है।

TESS-India वीडियो संसाधनों को ऑनलाइन देखा या TESS-India की वेबसाइट, <http://www.tess-india.edu.in/> से डाउनलोड किया जा सकता है। वैकल्पिक रूप से, आप ये वीडियो सीडी या मेमोरी कार्ड के माध्यम से भी देख सकते हैं।

संस्करण 2.0 SM13v1
Bihar

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है:
<http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/>

TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government

यह इकाई किस बारे में है

छात्र-छात्राएँ और प्रौढ़ भी अक्सर गणित को बहुत कठिन पाते हैं, क्योंकि वे गणितीय तथ्यों को वास्तविक जीवन से नहीं जोड़ पाते और न ही इसके विपरीत कर पाते हैं। शब्द समस्याओं को अक्सर वास्तविक जीवन और गणित की कक्षा के बीच अंतर को खत्म करने वाले पुल के रूप में देखा जाता है। हालांकि दुनिया भर के छात्र-छात्राएँ शब्द समस्याओं वाली परीक्षाओं में अक्सर खराब प्रदर्शन करते हैं। जब छात्र-छात्राओं ने शब्द समस्याओं से संबंधित गणितीय प्रचलनों की तकनीकी क्षमताओं में महारत हासिल कर ली हो, तब भी उन्हें शब्द समस्याओं का समाधान करने के लिए आवश्यक इन तकनीकों को लागू करने में कठिनाई आ सकती है (मोरेल्स और अन्य, 1985)। गणित में शब्द समस्याओं को लेकर होने वाली परेशानियों के संबंध में काफी अनुसंधान हुआ है।

इस इकाई में शब्द समस्याओं के साथ काम करते हुए सीखने-सिखाने की प्रक्रिया को देखा गया है और आपको ऐसे सुझाव दिये गये हैं कि अपने छात्र-छात्राओं को गणितीय शब्द समस्याएं पढ़ने और लिखने में मदद कैसे करें। यह गणितीय प्रतिरूपण के विचार का प्रयोग करके आपके छात्र-छात्राओं को यह समझने में मदद करता है कि शब्द समस्याएं प्रतिरूप हैं और ज़रूरी नहीं कि वे रोज़मर्रा के जीवन का प्रतिनिधित्व करती हों।

इस इकाई में प्रयुक्त कई शब्द समस्याएं एन.सी.ई.आर.टी. की कक्षा IX और X की पाठ्य पुस्तकों में दी गई शब्द समस्याओं पर आधारित हैं।

आप इस इकाई में सीख सकते हैं

- आपके छात्र-छात्राओं को शब्द समस्याओं को पढ़ने, लिखने और उनका समाधान करना सिखाने के बारे में कुछ विचार।
- आपके छात्र-छात्राओं को यह दर्शाने के लिए कुछ सुझाव कि शब्द समस्याओं को गणितीय प्रतिरूपण साधनों के रूप में किस प्रकार उपयोग करें।
- छात्र-छात्राओं को उनकी सीखने की प्रक्रियाओं के बारे में विचार करने और अधिक सोच-विचार करने वाले शिक्षार्थी बनने में मदद करने के तरीकों के बारे में विचार।

इस इकाई में सीखने-सिखाने की प्रक्रिया का संबंध संसाधन 1 में निर्दिष्ट की गई एनसीएफटीई (2009) शिक्षण आवश्यकताओं से है।

1 शब्द समस्याओं के साथ होने वाली परेशानियाँ

छात्र-छात्राओं को शब्द समस्याओं को हल करना समझने में कठिनाई हो सकती है (Morales आदि, 1985)। वर्णन से उनका ध्यान भटक सकता है, जो वास्तविक जीवन पर आधारित होने का दावा कर सकता है, लेकिन वास्तव में अवास्तविक होता है। उदाहरण के लिए, निम्नलिखित शब्द समस्या पर विचार करें, जिसके अनेक रूपांतरण मौजूद हैं:

एक कार्यालय भवन के भूमि-तल पर बयासी लोग लिफ्ट में चढ़ने की कतार में खड़े हैं। लिफ्ट एक बार में अधिकतम नौ लोगों को ले जा सकती है। कतार में खड़े सभी लोगों को ले जाने में लिफ्ट को कितनी बार आना-जाना पड़ेगा?

ऐसा प्रतीत होता है कि यह शब्द समस्या वास्तविक जीवन की स्थिति पर आधारित है – एक कार्यालय भवन में लोग लिफ्ट से जाने के लिए कतार में खड़े हैं। यह वास्तविकता का प्रतिनिधित्व नहीं करता है, क्योंकि इस प्रकार की लंबी कतार होने पर कुछ लोग लिफ्ट का इंतज़ार करने के बिना सीढ़ियों से जाना चुन सकते हैं, या ऐसे लोग हो सकते हैं, जो भवन की ऊपरी मंजिलों में जाने के लिए कुछ समय बाद तक इंतज़ार कर सकते हैं।

लेकिन, किसी गणितीय शब्द समस्या में, वास्तविक जीवन के ऐसे पहलुओं को प्रासंगिक नहीं माना जाता। इसलिए कभी-कभी छात्र-छात्राओं को यह विचार करने में मदद देनी पड़ती है कि संदर्भ का कौन सा पहलू गणित के लिए प्रासंगिक है और कौन सा नहीं है – दूसरे शब्दों में, वे उस पर ध्यान दें, जो महत्वपूर्ण है और शेष को छोड़ दें। छात्र-छात्राओं को निम्नलिखित के लिए कुछ साधनों (tools) की आवश्यकता होती है:

- शब्द समस्याओं का अर्थ निकालना
- गणित के तत्वों पर ध्यान देना
- ध्यान रखना कि शब्द समस्याओं में गणितीय विचारों के प्रतिरूपण किया जाता है।

शब्द समस्याएं आम तौर पर गणितीय प्रतिरूपण का उदाहरण होती हैं। छात्र-छात्राओं को यह ध्यान दिलाना ज़रूरी है कि स्कूल के बाद के जीवन में ज्यादातर गणित में इसी का उपयोग होता है: दुनिया में जो होता है (या हो सकता है) उसका प्रतिरूपण करना, ताकि जटिल स्थितियों और प्रायः असामान्य संख्याओं में अधिक सरल ढंग से फेरबदल किया जा सके और समस्याओं के समाधान निकाले जा सकें। छात्र-छात्राएँ शब्द समस्याओं को "डिकोड करके" और स्वयं शब्द समस्याएं बनाकर इसे जान सकते हैं।



ज़रा सोचिए

अपनी कक्षा के बारे में सोचकर बताएं, आपके छात्र-छात्रा शब्द समस्याओं को किस रूप में देखते हैं? क्या वे उन्हें पसंद करते हैं? क्या वे उनके साथ जूझते हैं? आप ऐसा क्यों सोचते हैं?

एक गणित सीखने वाले के रूप में अपने अनुभवों के बारे में सोचने पर, आप शब्द समस्याओं को कैसे देखते थे? आपको यह समझने में किसने मदद की कि उनका सामना कैसे किया जाए?

2 शब्द समस्याओं को पढ़ना और डिकोड (फ़ूट विखंडीकरण) करना



चित्र 1 समस्या का समाधान करना।

शब्द समस्याओं को 'पढ़ने' के लिए जानकारी को 'डिकोड' करना होता है, ताकि समझा जा सके कि गणितीय प्रतिरूप क्या है और इसलिए समाधान प्रदान करने के लिए किन विचारों की आवश्यकता है। कुछ शब्द समस्याओं में अप्रासंगिक जानकारी होती है और कुछ में नहीं। अपने छात्र-छात्राओं के मस्तिष्क को इस बात के लिए प्रशिक्षित करना ज़रूरी है कि वे किसी शब्द समस्या में गणितीय जानकारी की प्रासंगिकता (या प्रासंगिकता के स्तर) को पहचान सकें।

इस प्रक्रिया के पहले ही चरण में छात्र/छात्रा को मुख्य शब्दों की पहचान करने के लिए समस्या पर नज़र डालनी होती है। फिर छात्र/छात्रा को निर्णय लेना होता है कि कौन सी जानकारी प्रासंगिक है और कौन सी नहीं। फिर छात्र/छात्रा समस्या का समाधान करना शुरू करने के लिए समस्या को छोटे-छोटे हिस्सों में पुनर्संगठित करता है। हो सकता है कि आपके कुछ छात्र/छात्रा हमेशा किसी शब्द समस्या के सभी शब्दों को न समझ पायें, खासकर जब यह उनकी प्रथम भाषा में नहीं लिखी गई हो। आपको उन्हें गणित की समस्या हल करने का प्रयास करने का आत्मविश्वास बढ़ाना होगा, भले ही वे सभी हिंदी या अंग्रेज़ी शब्दों के बारे में आश्वस्त न हों।

गतिविधि 1 में आपका फोकस अपने छात्र-छात्राओं के मस्तिष्क को इस बात के लिए प्रशिक्षित करने पर होता है कि प्रासंगिक जानकारी की पहचान कैसे करें और फिर शब्द समस्याओं को छोटे हिस्सों में 'टुकड़े' कैसे करें। यह गतिविधि तब विशेष रूप से कारगर होती है, जब छात्र-छात्रा जोड़ों या छोटे समूहों में काम करते हैं।

इस इकाई में अपने छात्र-छात्राओं के साथ गतिविधियों के उपयोग का प्रयास करने के पहले अच्छा होगा कि आप सभी गतिविधियों को पूरी तरह (या आंशिक रूप से) स्वयं करके देखें। यह और भी बेहतर होगा यदि आप इसका प्रयास अपने किसी सहकर्मी के साथ करें क्योंकि जब आप अनुभव पर विचार करेंगे तो आपको मदद मिलेगी। स्वयं प्रयास करने से आपको शिक्षार्थी के अनुभवों के भीतर झांकने का मौका मिलेगा, जो परोक्ष रूप से आपके सीखने-सिखाने की प्रक्रिया और एक शिक्षक के रूप में आपके अनुभवों को प्रभावित करेगा। जब आप तैयार हों, तो अपने छात्र-छात्राओं के साथ गतिविधियों का उपयोग करें। पाठ के बाद, सोचें कि गतिविधि किस तरह हुई और उससे क्या सीख मिली। इससे आपको सीखने वाले छात्र-छात्राओं पर ध्यान केंद्रित रखने वाला अधिक शैक्षिक वातावरण बनाने में मदद मिलेगी।

गतिविधि 1: मुख्य शब्द और समस्याओं के टुकड़े करना

अपने छात्र-छात्राओं से एक या दो अन्य छात्र-छात्राओं के साथ मिलकर काम करने को कहें। सुनिश्चित करें प्रत्येक छात्र/छात्रा किसी के साथ काम कर रहा है। फिर अपने छात्र-छात्राओं से कहें कि वे नीचे दी गई प्रत्येक शब्द समस्या को पढ़ें और उन मुख्य शब्दों या वाक्यांशों की सूची बनाएं, जो उन्हें समस्या हल करने में मदद कर सकते हैं। इसके बाद उन्हें समस्याओं को सूचनाओं के अधिक सरल टुकड़ों में बांट देना चाहिए।

1. एक वर्गाकार उद्यान में किनारे-किनारे आठ फुट चौड़ी पैदल चलने की ट्रैक है। अगर उद्यान का एक किनारा दस मीटर लंबा है, तो हामिद द्वारा उद्यान के दो चक्कर लगाने पर तय की गई दूरी का पता लगाएं।
2. कविता को उसके 16वें जन्मदिन पर उसके चाचा ने कुछ पैसे दिए थे। उसने इस पैसे से एक स्टोर से रु. 950 प्रति जोड़ी जीन्स की दर से दो जीन्स खरीदीं जो 20 प्रतिशत छूट दे रहा था। खरीद के बाद उसके पास रु. 150 बचे हुए थे। उसके चाचा ने कितनी धनराशि दी थी?



चित्र 2 दुकान में सजे हुए जीन्स।

3. रीता मंगलवार को 3 किलोग्राम आम और 12 केले रु.280 में खरीदती है। उसी दुकान से तीन दिनों के बाद, राहुल 2 किलोग्राम आम और 18 केले रु. 300 में खरीदता है। वह समीकरण लिखिए जिससे 1 किलोग्राम आम और एक दर्जन केलों का दाम पता चल सके।

जब वे इसे पूरा कर लें, तब अपने छात्र-छात्राओं से इन प्रश्नों का उत्तर देने के लिए कहें:

- आपके विचार से जो भी मुख्य शब्द या वाक्यांश उपयोगी हैं, उनके लिए इसका कारण बताइए।

- आपको यह निर्णय लेने में किससे मदद मिली कि कौन सा आंकिक डेटा उपयोगी है और कौन सा नहीं? क्या आपसे कोई उपयोगी जानकारी छूटी?
- क्या कोई ऐसी जानकारी थी, जिसे आपको 'उपयोगी' या 'उपयोगी नहीं' के रूप में वर्गीकृत करना मुश्किल था? आप इस जानकारी को कैसे स्वीकार या अस्वीकार करेंगे?
- आपको किसी शब्द समस्या को सूचना के छोटे टुकड़ों में बांटने में क्या कठिन या आसान लगा?
- क्या आपने मुख्य शब्दों की पहचान करने या टुकड़े करने से पहले उपरोक्त समस्याओं का पूर्वानुमान किया था? कल्पना की थी? कल्पना करना कैसे उपयोगी था?

पाठ की समाप्ति से पहले, छात्र-छात्राओं से कहें कि अपने उत्तरों को एकत्र करें और इस प्रकार की समस्याओं को हल करने के बारे में मिलकर अच्छे सामान्य विचार बनाएं।



गतिविधि 1 से 3 तक का उपयोग कक्षा X के NCERT book के पाठ 3: दो चर वाले रैखिक समीकरण युग्म (पृष्ठ 42) और पाठ 4 दिघात समीकरण (पृष्ठ 78) में शब्द समस्याओं में पहले किया जा सकता है।

केस स्टडी 1: गतिविधि 1 के उपयोग का अनुभव श्रीमती पूनम बताती हैं

यह एक शिक्षिका की कहानी है, जिसने अपने माध्यमिक कक्षा के छात्र-छात्राओं के साथ गतिविधि 1 का प्रयास किया।

मेरी कक्षा को शब्द समस्याओं में बहुत कठिनाई होती है। छात्र-छात्राएँ गणित के सवालों का जल्दी से उत्तर देना चाहते हैं, लेकिन शब्द समस्याएं हमेशा उन्हें धीमा कर देती हैं। चूँकि परीक्षाओं में शब्द समस्याओं का उत्तर देना बहुत महत्वपूर्ण होता है, इसलिए मैंने उन्हें हल करने में अपने छात्र-छात्राओं की मदद करने के लिए कुछ समय निकालने का निर्णय लिया। सबसे पहले मैंने उनसे पूछा कि शब्द समस्याओं को हल करने में उन्हें किन कौशलों की आवश्यकता है। वे पहले तो इसका उत्तर नहीं दे सके, तो मैंने उनसे कहा कि वे जोड़े बनाकर प्रश्नों पर चर्चा करें। उनके उत्तर थे कि आपको निम्नलिखित करना चाहिए:

- ध्यान से समस्या को पढ़ें
- पहचानें कि संदर्भ क्या है और गणित हल करने के लिए क्या महत्वपूर्ण है
- महत्वपूर्ण शब्दों, संख्याओं और जानकारी को नोट करें, हो सके, तो एक रेखाचित्र बनाकर उस पर दर्ज करें
- असंगत शब्दों और संख्याओं पर ध्यान न दें
- सोचें कि इसे हल करने के लिए किस गणित का उपयोग होगा, फिर उसका प्रयोग करें
- जांच करके तय करें कि कौन सा उत्तर सही लगता है
- इस प्रकार उत्तर दें जो पूछे गए प्रश्न से संबंधित हो – जैसे मापन की उपयुक्त इकाइयों का प्रयोग करना।

फिर मैंने कक्षा से पूछा कि गतिविधि 1 में दी गई समस्याओं को देखें। वे केवल प्रश्नों का उत्तर देना चाहते थे, लेकिन मैं चाहती थी कि वे प्रक्रिया के बारे में सोचें और समस्या के समाधान के उन कौशलों का प्रयोग करें, जो हमने निकाले

थे। इसलिए हमने मिलकर कविता द्वारा जीन्स की खरीददारी से संबंधित दूसरे प्रश्न को देखा।

पहले मैंने उनसे जानकारी को टुकड़ों में बांटने के लिए कहा। हमें महत्वपूर्ण जानकारी के ये टुकड़े मिले:

- कविता को कुछ धन दिया गया।
- उसने दो जींस खरीदी।
- जीन्स की प्रत्येक जोड़ी की कीमत है रु. 950.
- उसके पास अब बचे थे रु. 150.
- उसके चाचा ने कितनी धनराशि दी थी?

फिर हमने हर चरण में शामिल गणित को देखा। मैंने कक्षा से कहा कि वे हर शब्द या वाक्यांश का अर्थ बताएं और यह क्या गणितीय अर्थ संप्रेषित करने की कोशिश कर रहा है। पहली बार मुझे उनकी मदद करनी पड़ी, लेकिन उसके बाद वे इसे समझ गए:

- 'कविता को कुछ धन दिया गया।' यह 'अज्ञात' है – माना कि x .
- 'उसने दो जोड़ी जीन्स खरीदी।' उसे जो भी खर्च करना है उसे x से घटाना होगा।
- 'जीन्स की प्रत्येक जोड़ी की कीमत है रु. 950।' अतः, उसने खर्च किए $2 \times 950 =$ रु. 1900।
- 'उसके पास अब बचे थे रु. 150।' इसे होना चाहिए $x - 1900$ ।
- 'उसके चाचा ने कितनी धनराशि दी थी?' यह x है।

जब हमने ऐसा कर लिया, तो छात्र-छात्राओं ने उसी ढंग से दो अन्य शब्द समस्याओं को भी हल किया, उन्हें छोटे टुकड़ों में बांटा और जो वे कर रहे थे, उसके गणितीय अर्थों को लिखने की कोशिश की। उन्हें काफी जल्दी ही समझ आ गया कि पहले प्रश्न का उत्तर देने के लिए उनको यह जानना होगा कि हसन रास्ते पर कहां चल रहा था, और मापन फीट तथा मीटर में थे, इसलिए कुछ रूपांतरण करने की आवश्यकता होगी। तीसरे प्रश्न पर यह विवाद भी हुआ कि क्या इस बात से कोई फर्क पड़ता है कि दुकान पर दो बार जाने के बीच तीन दिनों का अंतर था, इसलिए हमने शब्द समस्याओं में अप्रासंगिक सूचनाओं के बारे में चर्चा की।

गृहकार्य के लिए मैंने छात्र-छात्राओं से कहा कि वे मज़े के लिए खुद कुछ ऐसी शब्द समस्याएं बनाएं, जिनमें कुछ अच्छा गणित और कुछ ऐसी अप्रासंगिक सूचनाएं हों, जो बिल्कुल स्पष्ट न हों।

वीडियो: जोड़े में कार्य का उपयोग करना



अधिक विचारों के लिए संसाधन 2, 'जोड़ी में कार्य का उपयोग करना' को पढ़ें।

अपने सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के बारे में सोचना

जब आप अपनी कक्षा के साथ ऐसी कोई गतिविधि करें, तो बाद में सोचें कि क्या ठीक रहा और कहाँ गड़बड़ हुई। ऐसे सवाल की ओर ध्यान दें, जिसमें छात्र-छात्राओं की रुचि दिखाई दे और वे आगे बढ़ते हुए नजर आएँ और वे जिनका

स्पष्टीकरण करने की आवश्यकता हो। ऐसी बातें ऐसी 'स्क्रिप्ट' पता करने में सहायक होती हैं, जिससे आप छात्र-छात्राओं में गणित के प्रति रुचि जगा सकें और उसे मनोरंजक बना सकें। अगर छात्र-छात्राओं को समझ नहीं आ रहा है और वे कुछ नहीं कर पा रहे हैं, तो इसका मतलब है कि उनकी इसमें सम्मिलित होने की रुचि नहीं है। जब भी आप गतिविधियाँ करें, इस विचार करने वाले अभ्यास का उपयोग करें। जैसे श्रीमती पूनम ने कुछ छोटी-छोटी चीजें की, जिनसे काफी फर्क पड़ा।



ज़रा सोचिए

ऐसे चिंतन को गति देने वाले अच्छे प्रश्न निम्नलिखित हैं:

- आपकी कक्षा में इसका प्रदर्शन कैसा रहा?
- छात्र-छात्राओं से किस प्रकार की प्रतिक्रिया अनपेक्षित थी? क्यों?
- अपने छात्र-छात्राओं की समझ का पता लगाने के लिए आपने क्या सवाल किए?
- क्या आपने कार्य में किसी भी तरीके का संशोधन किया? अगर हाँ, तो इसके पीछे आपका क्या कारण था?

3 शब्दों से बीजगणित और बीजगणित से शब्दों तक

शब्द समस्याओं में शब्दों को बीजगणित में और बीजगणित को शब्दों में अनुवादित करना कठिन विचारों में से एक है। अगली गतिविधि के दो भाग हैं। पहला भाग आपके छात्र-छात्राओं को दिलचस्प तरीके से शब्दों तथा बीजगणितीय अभिव्यक्तियों का मिलान करने का अभ्यास करने का अवसर देता है। दूसरे भाग में छात्र-छात्राओं से कहा जाता है कि वे कुछ बीजगणितीय समीकरणों से खुद अपनी शब्द समस्याएँ बनाएँ।

गतिविधि 2: शब्द और बीजगणित

भाग A: फ्लैश कार्ड

तैयारी

दो भिन्न रंगों के फ्लैश कार्ड बनाएं (या भिन्न शेडिंग वाले, जैसा चित्र 3 में है)। फ्लैश कार्ड के एक तरफ सादा छोड़ दें, ताकि छात्र-छात्रा उस तरफ लिख सकते हैं। हरे कार्डों पर, अंग्रेज़ी में (या आपके स्कूल में चलने वाली शिक्षा की भाषा में) एक अंकगणितीय वक्तव्य लिखें। नारंगी कार्डों पर, गणितीय प्रतीकों और प्रचलनों का उपयोग करके संगत वक्तव्य लिखें। कार्डों को उस प्रकार के कार्य से प्रासंगिक बनाएं, जिसमें आपके छात्र-छात्रा लगे हुए हैं। यह त्रिकोणमिति, वृत्त या गणित का कोई अन्य पहलू हो सकता है – चित्र 3 में उदाहरण देखें।

x से 5 अधिक	x से 5 कम	5 से x कम	5 गुणा x
$x + 5$	$x - 5$	$5 - x$	$5x$
5 और x का भागफल	x तथा 5 का भागफल	5 बटा x	x बटा 5

$5/x$	$x/5$	$5/x$	$x/5$
5 और x का योग	5 और x का अंतर	5 और x का गुणनफल	5 का घात x
$5 + x$	$ 5 - x $	$5x$	5^x
X का घात 5	5 वर्ग	5 गुणा x से 5 अधिक	5 और x से 5 अधिक का अनुपात
x^5	5^2	$5x + 5$	$5 / (x + 5)$

चित्र 3 शब्द और बीजगणित फ्लैशकार्ड

यदि आपकी कक्षा में 30 छात्र-छात्राएँ हैं, तो आपको 15 जोड़ी कार्डों की आवश्यकता होगी।

गतिविधि

कार्डों को यादृच्छिक (randomly) ढंग से छात्र-छात्राओं को वितरित कर दें। अपने छात्र-छात्राओं से कहें कि उस छात्र-छात्रा को तलाशें, जो आपकी जोड़ी को पूरा करता है।

भाग B: अपनी शब्द समस्याएँ लिखना

तैयारी

निम्नलिखित समीकरणों को अपनी कक्षा के लिए प्रासंगिक बनाने के लिए संशोधित करें और उन्हें ब्लैकबोर्ड पर लिखें:

- $y = 3x$
- $x + y = 150$
- $3x - y = 22$
- $2x + 3y = 88$
- $A = 16p$
- $32 = x(y + 2)$

गतिविधि

अपने छात्र-छात्राओं को निम्न बताएँ:

- प्रत्येक समीकरण के लिए, जितने अधिक संदर्भ-आधारित शब्द समस्याएँ लिखना संभव हो उतनी लिखें। उदाहरण के लिए,

समीकरण $y = 3x$ के लिए आप लिख सकते हैं, "कविता के पाँच उसके छोटे भाई हर्ष से तीन गुना बड़े हैं"।

- आपके छात्र-छात्राओं को किस समीकरण के लिए शब्द समस्याएँ लिखना सबसे कठिन लगा? आपके अनुसार यह क्या था?
- प्रत्येक समीकरण में, किसके लिए शब्द समस्याएँ लिखना सबसे कठिन लगा? क्यों? क्या आप अन्य शब्द समस्याओं को अधिक वास्तविक बनाने का प्रयास कर सकते हैं?

गतिविधि के अंत में, अपने छात्र-छात्राओं से कहें कि प्रत्येक समीकरण के लिए सबसे दिलचस्प शब्द समस्याओं को चुनें और उन्हें वर्गकक्ष की दीवार पर प्रदर्शित करें।

वीडियो: कहानी सुनाना, गीत, रोल प्ले और नाटक



आप मुख्य संसाधन 'कहानी कहना, गीत, रोल प्ले और नाटक' पर भी एक नजर डालना चाह सकते हैं।

केस स्टडी 2: गतिविधि 2 के उपयोग का अनुभव श्रीमती सुनीता बताती हैं

मेरे छात्र-छात्राओं ने गतिविधि 1 का उपयोग करने में आनंद लिया और उनका आत्मविश्वास बढ़ रहा था, लेकिन फिर भी उन्हें इस प्रकार के विचारों को लिखने में कठिनाई होती थी, जैसे हमने मिलकर जो प्रश्न हल किया था, उसमें आया विचार 'उसके पास रु. 150 बचे थे'। इसलिए, मैंने गतिविधि 2 से कार्डों का उपयोग करने का निर्णय किया तथा कुछ और कार्ड बना डाले।

मेरी कक्षा में 64 छात्र-छात्रा थे, इसलिए मैंने 32 जोड़ियां बनाईं, जिससे सभी के पास एक साथी हो। मैं छात्र-छात्राओं को बाहर खेल के मैदान में ले गईं, ताकि उन्हें एक दूसरे को तलाशने की जगह मिल सके। जब वे अपना साथी तलाशने के लिए इधर-उधर घूम रहे थे तो काफी शोर मचा, लेकिन जल्दी ही यह पूरा हो गया। जब उन सबकी जोड़ियां बन गईं, तो मैंने उनसे कहा कि वे बैठकर अपने कार्ड पर दिए गए बीजगणित से मेल खाती दो संदर्भ-आधारित शब्द समस्याओं पर काम करें, जिनको उन्होंने अपने कार्डों के पीछे लिखा था। फिर प्रत्येक जोड़ी एक अन्य जोड़ी से मिली और एक दूसरे को अपनी संदर्भ-आधारित शब्द समस्याएं दीं, ताकि वे गणितीय वाक्यांशों को अपनी मातृभाषा में लिख लें और फिर बीजगणित को लिख लें। जब छात्र-छात्राओं में किसी बात पर असहमति हुई, तो हमने उस विचार पर पूरी कक्षा में विचार किया और मैंने कक्षा के साथ साझा करने के लिए कुछ 'वाकई अच्छी' शब्द समस्याएं मांगीं।

लगता था कि हर किसी को इस विचार से बहुत कुछ समझ में आया। अगर वे निश्चित नहीं होते तो वे लोगों से पूछते थे और उन्होंने बीजगणित को शब्दों और संदर्भों से जोड़ने वाले बहुत से उदाहरण सुने तथा उन पर काम किया।

भाग B के लिए, मैंने छात्र-छात्राओं से कहा कि वे पहले बनाए चार-चार के समूह में काम करते रहें और प्रत्येक समीकरण के लिए कम से कम चार समस्याएँ लिखें। जब प्रत्येक समूह ने कम से कम चार समीकरणों के लिए कुछ बना लिया, तो मैंने उनका काम रोक दिया। इस समय तक कुछ समूहों ने सभी समस्याएँ पूरी कर ली थीं और मुझे अहसास हुआ कि शायद मेरे पास गणित में अधिक आत्मविश्वास वाले छात्र-छात्राओं के लिए कुछ अन्य समस्याएँ होनी चाहिए थीं।

फिर मैंने अनुवर्ती प्रश्नों को कक्षा में एक चर्चा में उपयोग किया। मैंने पूछा कि 'क्या चीज सबसे कठिन थी और क्यों?' इसका अर्थ था कि छात्र-छात्राओं को अपनी सोच के बारे में सोचना पड़ा – मेरे ख्याल से इसे 'अधिसंज्ञान' (metacognition) कहते हैं। उनसे यह दृष्टिकोण अपनाने के लिए कहने से मुझे भी इस बात की अधिक जानकारी हुई कि उन्हें क्या कठिन लगता है और इसलिए कहां पर अधिक अभ्यास करना पड़ेगा; इस कक्षा के लिए यह विषय था, कोष्ठकों का प्रयोग करना। मुझे लगा कि वे वास्तविक थे या नहीं इसके बारे में पूछा गया प्रश्न भी उपयोगी था। उन्हें

यह सोचना पड़ा कि इस स्तर के गणित से वे क्या प्रतिरूपण कर सकते हैं और उन्होंने देखा कि शब्द समस्याएं कभी-कभी अवास्तविक हो सकती हैं।



जरा सोचिए

- अपने छात्र-छात्राओं की समझ का पता लगाने के लिए आपने क्या सवाल किए?
- क्या किसी भी समय आपको ऐसा लगा कि हस्तक्षेप करना चाहिए?
- क्या आपने कार्य में किसी भी तरीके का संशोधन किया? अगर हाँ, तो इसके पीछे आपका क्या तर्क था?

4 किसी संदर्भ का गणितीय प्रतिरूपण करना

शब्द समस्याएँ अक्सर मूलतः गणितीय समस्याएँ होती हैं, जिन्हें रोज़मर्रा की भाषा में प्रस्तुत किया जाता है। उनसे छात्र-छात्राओं को यह समझने में मदद मिल सकती है कि गणित वाकई वास्तविक दुनिया से संबंध रखता है, और यह कि जब वे शब्द समस्याओं को डिकोड करते हैं, तो वे खुद गणितज्ञ की तरह काम करते हैं। यही वजह है कि छात्र-छात्राओं को यह संकल्पना समझनी चाहिए कि वास्तविक दुनिया की समस्याओं में गणित जटिल स्थितियों का प्रतिरूपण करता है और उनमें से आवश्यक तत्वों को निकालने का आत्मविश्वास तथा ज्ञान उन में होना चाहिए।

किसी जटिल समस्या का अर्थ निकालने की प्रक्रिया पर ध्यान केंद्रित करना और उसका गणितीय प्रतिरूपण करने से भी छात्र-छात्राओं को शब्द समस्याओं के 'अर्थ निकालने' वाले पहलू पर ध्यान देने में मदद मिल सकती है।

शब्द समस्याओं को हल करने के लिए आवश्यक गणितीय विचारों की पहचान करना, या संदर्भ का गणितीय प्रतिरूपण करना छात्र-छात्राओं के लिए कठिन हो सकता है। पाठ्यपुस्तकों में उन्हें जो शब्द समस्याएँ मिलती हैं, उनके लिए आम तौर पर उसी गणित की आवश्यकता होती है, जिसका अभी ही अध्ययन किया गया है – इसलिए परीक्षाओं को छोड़कर, शायद ही कभी इस बात की आवश्यकता होती है कि किसी स्थिति के प्रतिरूपण के लिए किस अन्य गणित की दरकार होगी उसके बारे में सामान्य रूप से सोचा जाए। अगली गतिविधि छात्र-छात्राओं द्वारा इस बात पर सोचने पर केंद्रित है कि किस गणित की आवश्यकता है और समस्या को किस रूप में प्रस्तुत किया जाए ताकि गणित का प्रयोग करके समस्या को हल किया जा सके। गतिविधि और केस स्टडी को पढ़ें, और फिर योजना बनाकर अपनी कक्षा के साथ गतिविधि को पूरा करें।

गतिविधि 3: किसी शब्द समस्या के लिए गणितीय मॉडल की पहचान करना

अपने छात्र-छात्राओं को निम्न बताएँ:

यहां तीन शब्द समस्याएँ हैं:

1. कक्षा IX की दो छात्राएं, यामिनी और फातिमा, मिलकर भूकंप-पीड़ितों की सहायता के लिए प्रधानमंत्री सहायता कोष में रु. 100 का अंशदान करती हैं। इस पाठ्य से मेल खाता हुआ रैखिक समीकरण लिखिए।
2. मैरी अपने क्रिसमस ट्री को सजाना चाहती है। वह ट्री को रंगीन कागज से ढंके लकड़ी के बक्से पर रखना चाहती है, जिस पर सांता क्लॉज़ का चित्र बना है। उसे पता होना चाहिए कि इस उद्देश्य के लिए उसे ठीक कितनी मात्रा में कागज चाहिए। यदि बक्सा 80 से.मी. लंबा, 40 से.मी चौड़ा और 20 से.मी. ऊंचा है, तो उसे 40 से.मी. के कितने वर्गाकार टुकड़ों की आवश्यकता होगी?
3. शांति स्वीट स्टाल अपनी मिठाइयाँ पैक करने के लिए कार्डबोर्ड बॉक्स बनाने के ऑर्डर दे रहा था। दो आकार

के बॉक्सों की ज़रूरत थी: 25 सेमी × 20 सेमी × 5 सेमी माप का बड़ा बॉक्स, और 15 सेमी × 12 सेमी × 5 सेमी माप का छोटा बॉक्स. सभी अधिव्याप्तियों के लिए, कुल सतह क्षेत्र के 5 प्रतिशत अतिरिक्त की आवश्यकता होगी। अगर कार्डबोर्ड की लागत 1000 वर्ग सेमी के लिए 4 रुपये है, तो दोनों प्रकार के 250 बॉक्सों की आपूर्ति लागत का पता लगाइए।

दी गई प्रत्येक शब्द समस्या के लिए:

- समस्या के लिए एक चित्र बनाइए
- समस्याओं में अज्ञात चीजों की पहचान करें
- आप जो जानते हैं, उसकी पहचान करें
- ज्ञात और अज्ञात के बीच का संबंध पता करें
- संबंध को गणितीय ढंग से व्यक्त कीजिए।



गतिविधि 3 तक का उपयोग शब्द समस्याओं के हल करने के इलावा कक्षा IX परिशिष्ट 2 BTBC book गणितीय निदर्शन का परिचय (पृष्ठ 362) एवं कक्षा X NCERT book परिशिष्ट 2: (पृष्ठ 382) में पहले किया जा सकता है।

केस स्टडी 3: श्रीमती गुंजन गतिविधि 3 के बारे में सोचती है

मैंने कक्षा को गतिविधि 3 की तीन समस्याओं के बारे में बताया और उनसे कहा कि उन्हें सिर्फ हल न करें बल्कि उस स्थिति में गणित के प्रतिरूपण के पांचों चरणों को पूरा करें। निस्संदेह, कई छात्र-छात्राओं ने समस्याओं को हल करना शुरू कर दिया: जब उन्होंने उत्तर देने के लिए हाथ उठाए, तो मैंने उनसे पूछा कि क्या उनका कोई प्रश्न है और वे खड़े होकर पूछें, ताकि पूरी कक्षा उसे सुन सके और उत्तर देने में मदद कर सके। इससे वे थोड़ा भ्रमित हुए, लेकिन मैंने उन्हें याद दिलाया कि उन्हें क्या करना है!

मैंने देखा कि जब जगदेव ने उत्तर देने के लिए हाथ उठाया तो उसने काम करना और सोचना बंद कर दिया। मैं ऐसा नहीं चाहता था। मुझे याद आया कि मैंने कक्षा में 'हाथ न उठाने' की नीति के बारे में पढ़ा था [Black और अन्य., 2003]। मैंने उसी समय यह नियम बनाने का फैसला किया 'हाथ उठाना' केवल प्रश्न पूछने के लिए प्रयोग किया जाएगा। मुझे आशा थी कि जब तक मैं रुकने के लिए नहीं कहूँगी, तब तक हर कोई काम के बारे में सोचना और दूसरों से चर्चा करना जारी रखेगा, और 'मैंने पूरा कर लिया' कहने में अब्बल आने की होड़ नहीं करेगा। जब मैं उत्तर चाहती हूँ, तो मैं किसी व्यक्ति से सीधे पूछती हूँ, क्योंकि तब बाकी सभी सोचना जारी रखेंगे। मेरे विचार से जब हम सब याद रखेंगे कि हमारी कक्षा में 'केवल पूछने के लिए हाथ उठाना' होता है, तो सोचने का काम ज्यादा होता है। अगर जगदेव या कोई अन्य अपना काम पूरा कर ले, तो अब ज्यादा संभावना होगी कि वे अपने काम के बारे में किसी और से चर्चा करें क्योंकि पहले उत्तर देने या पूरा करने की कोई होड़ नहीं होगी। इससे पूरी कक्षा अधिक सहयोगपूर्ण और आत्मविश्वास से भरपूर बन गई है।

शब्द समस्याओं पर इस ध्यान से मेरे छात्र-छात्राएँ अब उन्हें हल करने में ज्यादा खुश महसूस करते हैं। अब हम कक्षा में जिस वाक्यांश का बार-बार प्रयोग करते हैं वह है 'क्या हम इस तरह प्रतिरूपण कर सकते हैं?'



ज़रा सोचिए

'हाथ न उठाने' के शिक्षाशास्त्रीय दृष्टिकोण के बारे में सोचिए: क्या आपके छात्र-छात्राओं ने समस्या के उत्तर के साथ हाथ उठा दिया जबकि आपने उन्हें प्रक्रिया के बारे में सोचने के लिए कहा था? क्या आप सोचते हैं कि प्रश्न पूछने के अलावा 'हाथ न उठाने' का नियम आपके छात्र-छात्राओं को अधिक सहयोगपूर्ण ढंग से काम करने और इस तरह अधिक सोचने और सीखने के लिए प्रोत्साहित करेगा?

5 सारांश

यह इकाई शब्द समस्याओं के व्यापकतम अर्थ में उनके साथ काम करना सीखने पर केंद्रित है। इसमें संदर्भों और उस संदर्भ का प्रतिरूपण करने वाले गणित के बीच संबंध पर तथा इसे समझने में छात्र-छात्राओं के सामने आने वाली कुछ बाधाओं पर चर्चा की गई है। इन बाधाओं को दूर करने के लिए इस इकाई ने कुछ तरीके सुझाए जो आपके छात्र-छात्राओं को गणितीय समस्याएं पढ़ने और लिखने में मदद कर सकते हैं। गणितीय प्रतिरूपण के विचार का प्रयोग करना आपके छात्र-छात्राओं को यह समझने में मदद करता है कि शब्द समस्याएँ प्रतिरूप हैं और ज़रूरी नहीं कि वे रोज़मर्रा के जीवन का वास्तविक प्रतिनिधित्व करती हों।

इस तरीके से शब्द समस्याओं के साथ काम करने से छात्र-छात्राओं के व्यक्तिगत अनुभव पर आधारित गणित का अर्थ समझ आ सकता है और इस तरह वे खुद अपने सीखने-सिखाने में सक्रिय भागीदार बन सकते हैं क्योंकि वे अपनी स्थितियों के प्रतिरूपण में गणित का प्रयोग करते हैं।



ज़रा सोचिए

इस इकाई में आपके द्वारा उपयोग किए गए तीन विचार पहचानें जो अन्य विषयों को पढ़ाने में भी काम करेंगे। उन दो विषयों पर अब एक सीखने की योजना तैयार करें, जिन्हें आप जल्द ही पढ़ाने वाले हैं, जहाँ थोड़े-बहुत समायोजन के साथ उन अवधारणाओं का उपयोग किया जा सकता है।

संसाधन

संसाधन 1: एनसीएफ/एनसीएफटीई शिक्षण आवश्यकताएँ

यह इकाई NCF (2005), BCF (2008) तथा NCFTE (2009) की निम्न सीखने-सिखाने की आवश्यकताओं से जोड़ता है तथा उन आवश्यकताओं को पूरा करने में आपकी मदद करेगा:

- छात्र-छात्राओं को उनके सीखने में सक्रिय प्रतिभागी के रूप में देखें न कि सिर्फ ज्ञान प्राप्त करने वाले के रूप में; ज्ञान निर्माण के लिए उनकी क्षमताओं को कैसे प्रोत्साहित करें; रोट पद्धतियों से सीखने को दूर कैसे ले जाएं।
- सीखने को निजी अनुभवों से अर्थ की खोज के रूप में और ज्ञान निर्माण को विचारात्मक सीखने की निरंतर विकास प्रक्रिया के रूप में देखें।
- विद्यालय के ज्ञान को समुदाय के ज्ञान और विद्यालय के बाहर के जीवन से जोड़ें।

संसाधन 2: जोड़े में कार्य का उपयोग करना

रोज़ाना की स्थितियों में लोग काम करते हैं, और साथ-साथ दूसरों से बोलते हैं और उनकी बात सुनते हैं, तथा देखते हैं कि वे क्या करते हैं और कैसे करते हैं। लोग इसी तरह से सीखते हैं। जब हम दूसरों से बात करते हैं, तो हमें नए विचारों और जानकारीयों का पता चलता है। कक्षाओं में अगर सब कुछ शिक्षक/शिक्षिका पर केंद्रित होता है, तो अधिकतर छात्र-छात्राओं को अपनी पढ़ाई को प्रदर्शित करने के लिए या प्रश्न पूछने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिलता। कुछ छात्र-छात्राएँ केवल संक्षिप्त उत्तर दे सकते हैं और कुछ बिल्कुल भी नहीं बोल सकते। बड़ी कक्षाओं में, स्थिति और भी बदतर है, जहाँ बहुत कम छात्र-छात्राएँ ही कुछ बोलते हैं।

जोड़े में कार्य का उपयोग क्यों करें?

जोड़े में कार्य छात्र-छात्राओं के लिए ज्यादा बात करने और सीखने का एक स्वाभाविक तरीका है। यह उन्हें विचार करने और नए विचारों तथा भाषा को कार्यान्वित करने का अवसर देता है। यह छात्र-छात्राओं को नए कौशलों और संकल्पनाओं के माध्यम से काम करने और बड़ी कक्षाओं में भी अच्छा काम करने का सुविधाजनक तरीका प्रदान करता है।

जोड़े में कार्य करना सभी आयु वर्गों और लोगों के लिए उपयुक्त होता है। यह विशेष तौर पर बहुभाषी, बहुग्रेड कक्षाओं में उपयोगी होता है, क्योंकि एक दूसरे की सहायता करने के लिए जोड़ों को बनाया जा सकता है। यह सर्वश्रेष्ठ तब काम करता है जब आप विशिष्ट कार्यों की योजना बनाते हैं और यह सुनिश्चित करने के लिए नियमित प्रक्रियाओं की स्थापना करते हैं कि आपके सभी छात्र सीखने की प्रक्रिया में शामिल हैं और प्रगति कर रहे हैं। एक बार इन नियमित प्रक्रियाओं को स्थापित कर लिए जाने के बाद, आपको पता लगेगा कि छात्र तुरंत जोड़ों में काम करने के अभ्यस्त हो जाते हैं और इस तरह सीखने में आनंद लेते हैं।

जोड़े में कार्य करने के लिए काम

आप सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के अभीष्ट परिणाम के आधार पर विभिन्न प्रकार के कार्यों का जोड़े में कार्य करने के लिए उपयोग कर सकते हैं। जोड़े में कार्य को अवश्य ही स्पष्ट और उपयुक्त होना चाहिए ताकि सीखने में अकेले काम करने के मुकाबले साथ मिलकर काम करने में अधिक मदद मिले। अपने विचारों के बारे में बात करके, आपके छात्र-छात्राएँ स्वचालित रूप से खुद को और विकसित करने के बारे में विचार करेंगे।

जोड़े में कार्य करने में शामिल हो सकते हैं:

- **‘विचार करें-जोड़ी बनाए-साझा करें’:** छात्र-छात्राएँ किसी समस्या या मुद्दे के बारे में खुद ही विचार करते हैं और फिर दूसरे छात्र-छात्राओं के साथ अपने उत्तर साझा करने से पूर्व संभावित उत्तर निकालने के लिए जोड़ों में कार्य करते हैं। इसका उपयोग वर्तनी, परिकलनों के जरिये कामकाज, प्रवर्गों या क्रम में चीजों को रखने, विभिन्न दृष्टिकोण प्रदान करने, कहानी आदि का पात्र होने का अभिनय करने आदि के लिए किया जा सकता है।
- **जानकारी साझा करना:** आधी कक्षा को विषय के एक पहलू के बारे में जानकारी दी जाती है; और शेष आधी कक्षा को विषय के भिन्न पहलू के बारे में जानकारी दी जाती है। फिर वे समस्या का हल निकालने के लिए निर्णय करने के लिए अपनी जानकारी को साझा करने के लिए जोड़ों में कार्य करते हैं।
- **सुनने जैसे कौशलों का अभ्यास करना:** एक छात्र कहानी पढ़ सकता है और दूसरा प्रश्न पूछता है; एक छात्र अंग्रेजी में पैसेज पढ़ सकता है, जबकि दूसरा इसे लिखने का प्रयास करता है; एक छात्र किसी तस्वीर का वर्णन कर सकता है जबकि दूसरा छात्र वर्णन के आधार पर इसे बनाने की कोशिश करता है।
- **निर्देशों का पालन करना:** एक छात्र कार्य पूरा करने के लिए दूसरे छात्र हेतु निर्देश पढ़ सकता है।
- **कहानी सुनाना या भूमिका अदा करना:** छात्र जो भाषा वे सीख रहे हैं, उसमें कहानी या संवाद बनाने के लिए जोड़ों में कार्य कर सकते हैं।

सभी को शामिल करते हुए जोड़ों का प्रबंधन करना

जोड़े में कार्य करने का अर्थ सभी को काम में शामिल करना है। चूंकि छात्र-छात्राएँ भिन्न होते हैं, इसलिए जोड़ों का प्रबंधन इस तरह से करना चाहिए कि हरेक को जानकारी हो कि उन्हें क्या करना है, वे क्या सीख रहे हैं और आपकी अपेक्षाएं क्या हैं। अपनी कक्षा में जोड़े में कार्य को नियमित बनाने के लिए, आपको निम्नलिखित काम करने होंगे:

- उन जोड़ों का प्रबंधन करना जिनमें छात्र-छात्राएँ काम करते हैं। कभी-कभी छात्र-छात्राएँ मैत्री जोड़ों में काम करेंगे; कभी-कभी वे काम नहीं करेंगे। सुनिश्चित करें कि उन्हें बोध है कि आप उनके सीखने की प्रक्रिया को अधिकतम करने में सहायता करने के लिए जोड़ें तय करेंगे।

- अधिकतम चुनौती पेश करने के लिए, कभी-कभी आप मिश्रित योग्यता वाले और भिन्न भाषायी छात्र-छात्राओं के जोड़े बना सकते हैं ताकि वे एक दूसरे की मदद कर सकें; किसी समय आप एक स्तर पर काम करने वाले छात्र-छात्राओं के जोड़े बना सकते हैं।
- रिकॉर्ड रखें ताकि आपको अपने छात्र-छात्राओं की योग्यताओं का पता हो और आप उसके अनुसार उनके जोड़े बना सकें।
- आरंभ में, छात्र-छात्राओं को पारिवारिक और सामुदायिक संदर्भों से उदाहरण लेकर, जहां लोग सहयोग करते हैं, जोड़े में काम करने के फायदे बताएँ।
- आरंभिक कार्य को संक्षिप्त और स्पष्ट रखें।
- यह सुनिश्चित करने के लिए कि छात्र-छात्राएँ जोड़े ठीक वैसे ही काम कर रहे हैं जैसा आप चाहते हैं, उन पर नजर रखें।
- छात्र-छात्राओं को उनके जोड़े में उनकी भूमिकाएँ या जिम्मेदारियाँ प्रदान करें, जैसे कि किसी कहानी से दो पात्र, या साधारण लेबल जैसे '1' और '2', या 'क' और 'ख')। यह कार्य उनके एक दूसरे का सामना करने से पूर्व करें ताकि वे सुनें।
- सुनिश्चित करें कि छात्र-छात्राएँ एक दूसरे के सामने बैठने के लिए आसानी से मुड़ या घूम सकें।

जोड़े में कार्य के दौरान, छात्र-छात्राओं को बताएँ कि उनके पास प्रत्येक काम के लिए कितना समय है और उनकी नियमित जांच करते रहें। उन जोड़ों की प्रशंसा करें जो एक दूसरे की मदद करते हैं और काम पर बने रहते हैं। जोड़ों को आराम से बैठने और अपने खुद के हल ढूँढने का समय दें – छात्र-छात्राओं को विचार करने और अपनी योग्यता दिखाने से पूर्व ही जल्दी से उनके साथ शामिल होने का प्रलोभन हो सकता है। अधिकांश छात्र-छात्राएँ हर एक के बात करने और काम करने के वातावरण का आनंद लेते हैं। जब आप कक्षा में देखते हुए और सुनते हुए घूम रहे हों तो नोट बनाएं कि कौन से छात्र एक साथ आराम में हैं, हर उस छात्र-छात्रा के प्रति सचेत रहें जिसे शामिल नहीं किया गया है, और किसी भी सामान्य गलतियों, अच्छे विचारों या सारांश के बिंदुओं को नोट करें।

कार्य के समाप्त होने पर आपकी भूमिका उनके बीच की कड़ियाँ जोड़ने की है जिनको छात्र-छात्राओं ने बनाया है। आप कुछ जोड़ों का चुनाव उनका काम दिखाने के लिए कर सकते हैं, या आप उनके लिए इसका सार प्रस्तुत कर सकते हैं। छात्र-छात्राओं को एक साथ काम करने पर उपलब्धि की भावना का एहसास करना पसंद आता है। आपको हर जोड़े से रिपोर्ट लेने की जरूरत नहीं है – इसमें काफी समय लगेगा – लेकिन आप उन छात्र-छात्राओं का चयन करें जिनके बारे में आपको अपने अवलोकन से पता है कि वे कुछ सकारात्मक योगदान करने में सक्षम होंगे और जिससे दूसरों को सीखने को मिलेगा। यह उन छात्र-छात्राओं के लिए एक अवसर हो सकता है जो आमतौर पर अपना विश्वास कायम करने हेतु योगदान करने में संकोच करते हैं।

यदि आपने छात्र-छात्राओं को हल करने के लिए समस्या दी है, तो आप कोई नमूना उत्तर भी दे सकते हैं और फिर उनसे जोड़ों में उत्तर में सुधार करने के संबंध में चर्चा करने के लिए कह सकते हैं। इससे अपने खुद के सीखने-सिखाने के बारे में विचार करने और अपनी गलतियों से सीखने में उनकी सहायता होगी।

यदि आप जोड़े में कार्य करने के लिए नये हैं, तो उन बदलावों के संबंध में नोट बनाना महत्वपूर्ण है जिन्हें आप कार्य, समयावधि या जोड़ों के संयोजनों में करना चाहते हैं। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि आप इसी तरह सीखेंगे और इसी तरह अपने अध्यापन में सुधार करेंगे। जोड़े में कार्य का सफल आयोजन करना स्पष्ट निर्देशों और उत्तम समय प्रबंधन के साथ-साथ संक्षिप्त सार संक्षेपण से जुड़ा है – यह सब अभ्यास से आता है।

अतिरिक्त संसाधन

- A newly developed maths portal by the Karnataka government:
<http://karnatakaeducation.org.in/KOER/en/index.php/Portal:Mathematics>
- Class X maths study material: http://www.zietmysore.org/stud_mats/X/maths.pdf

- National Centre for Excellence in the Teaching of Mathematics: <https://www.ncetm.org.uk/>
- National STEM Centre: <http://www.nationalstemcentre.org.uk/>
- OpenLearn: <http://www.open.edu/openlearn/>
- BBC Bitesize: <http://www.bbc.co.uk/bitesize/>
- Khan Academy's math section: <https://www.khanacademy.org/math>
- NRICH: <http://nrich.maths.org/frontpage>
- Mathcelebration: <http://www.mathcelebration.com/>
- Art of Problem Solving's resources page:
<http://www.artofproblemsolving.com/Resources/index.php>
- Teachnology: <http://www.teach-nology.com/worksheets/math/>
- Maths is Fun: <http://www.mathsisfun.com/>
- National Council of Educational Research and Training's textbooks for teaching mathematics and for teacher training of mathematics: <http://www.ncert.nic.in/ncerts/textbook/textbook.htm>
- LMT-01 *Learning Mathematics*, Block 1 ('Approaches to Learning') Block 2 ('Encouraging Learning in the Classroom'), Block 6 ('Thinking Mathematically'): <http://www.ignou4ublog.com/2013/06/ignou-lmt-01-study-materialbooks.html>
- *Learning Curve* and *At Right Angles*, periodicals about mathematics and its teaching:
http://azimpremjifoundation.org/Foundation_Publications
- Central Board of Secondary Education's books and support material (also including the *Teachers Manual for Formative Assessment – Mathematics (Class IX)*) – select 'CBSE publications', then 'Books and support material': <http://cbse.nic.in/welcome.htm>

संदर्भ/संदर्भग्रंथ सूची

Black, P., Harrison, C., Lee, C., Marshall, B. and Wiliam, D. (2003) *Assessment for Learning: Putting it into Practice*. Buckingham: Open University Press.

Morales, R.V., Shute, V.J. and Pellegrino, J.W. (1985) 'Developmental differences in understanding and solving simple mathematics word problems', *Cognition & Instruction*, vol. 2, no. 1, p. 41.

National Council of Educational Research and Training (2005) *National Curriculum Framework (NCF)*. New Delhi: NCERT.

National Council of Educational Research and Training (2009) *National Curriculum Framework for Teacher Education (NCFTE)*. New Delhi: NCERT

National Council of Educational Research and Training (2012a) *Mathematics Textbook for Class IX*. New Delhi: NCERT.

National Council of Educational Research and Training (2012b) *Mathematics Textbook for Class X*. New Delhi: NCERT.

Nunes, T. (1993) 'Learning mathematics: perspectives from everyday life', in Davis, R. and Maher, C. (eds) *Schools, Mathematics, and the World of Reality*, pp. 61–78. Needham Heights, MA: Allyn and Bacon.

Polya, G. (1957) *How to Solve It*. New York, NY: Anchor.

Polya, G. (1962) *Mathematical Discovery: On Understanding, Learning and Teaching Problem Solving*, combined edn. New York, NY: Wiley.

Watson, A., Jones, K. and Pratt, D. (2013) *Key Ideas in Teaching Mathematics*. Oxford: Oxford University Press.

अभिस्वीकृतियाँ

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस (<http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/>) के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है। नीचे दी गई सामग्री मालिकाना हक की है तथा इस परियोजना के लिए लाइसेंस के अंतर्गत ही उपयोग की गई है, तथा इसका Creative Commons लाइसेंस से कोई वास्ता नहीं है। इसका अर्थ यह है कि इस सामग्री का उपयोग अननुकूलित रूप से केवल TESS-India परियोजना के भीतर किया जा सकता है और किसी भी बाद के OER संस्करणों में नहीं। इसमें TESS-India, OU और UKAID लोगो का उपयोग भी शामिल है।

इस इकाई में सामग्री को पुनः प्रस्तुत करने की अनुमति के लिए निम्न स्रोतों का कृतज्ञतापूर्ण आभार:

चित्र 1: © almagami/iStockphoto.com.

चित्र 2: © Chris Rubber Dragon/iStockphoto.com.

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत-भर के उन शिक्षक प्रशिक्षकों, प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों और छात्र-छात्राओं के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन युनिवर्सिटी के साथ काम किया।